

नक्सलवाद से मुक्ति के बाद अब बस्तर में विकास और समृद्धि का नया अध्याय : मुख्यमंत्री साय

बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी अंचल बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही सरकार

रायपुर (विश्व परिवार)। नक्सलवाद को चुनौती से आगे बढ़कर छत्तीसगढ़ अब विकास, सुशासन, निवेश और नवचार के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। विकसित भारत 2047 की यात्रा में छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पड़चान बनाएगा। राज्य की प्राकृतिक संपदा, युवा शक्ति और विकास की अपार संभावनाओं को जनकल्याण और आर्थिक समृद्धि में बदलने के लिए सरकार योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज राजधानी रायपुर में कीआईपी रोड स्थित एक निजी होटल में समाचार चैनल लाइव टाइम्स द्वारा आयोजित 'नक्सलमुक्त विकासयुक्त छत्तीसगढ़ 2047' कार्यक्रम 'एलटी एच चेज' में अपने विचार व्यक्त करते हुए एह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री सायन ने नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक अभियान से लेकर बस्तर के विकास, किसान कल्याण, महिला सशक्तीकरण, आवास, निवेश, सुशासन, डिजिटल गवर्नेंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री सायन ने कहा कि कभी देश और दुनिया में छत्तीसगढ़ की चर्चा नक्सलवाद की समस्या को लेकर अधिक होती थी, लेकिन आज यह तस्वीर तेजी से बदली है। नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता के साथ विकास की नई संभावनाओं ने छत्तीसगढ़ के प्रति धारणा में सकारात्मक बदलाव लाया है। जल संचय के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ का पूरे देश में शीर्ष स्थान हासिल करना

इसी बदलते छत्तीसगढ़ की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्रों श्री साय न कहा कि वे अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत से नक्सलवाद की समस्या को देखते-सुनते आए हैं। उनका गृह संभाग सरगुजा भी कभी नक्सलवाद से प्रभावित था और वहां नक्सल हिंसा की अनेक घटनाएं हुईं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में सरगुजा को नक्सलवाद से मुक्त करने में सफलता मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद जनवरी 2024 में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने नक्सलवाद को लेकर महत्वपूर्ण बैठक ली थी। उस समय देश में शेष नक्सलवाद का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा छत्तीसगढ़ में केंद्रित था, जबकि शेष लगभग एक चौथाई हिस्सा पांच-छह अन्य राज्यों में था।

उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य में डबल इंजन की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में नई रणनीति और बेहतर समन्वय के साथ नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक अभियान

शुरू किया गया। संयुक्त सुरक्षा प्रयासों को मजबूत किया गया और हमारे सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस तथा वीरता का परिचय दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जो सफलता मिली है, उसके पीछे हमारे जवानों का साहस, समर्पण और बलिदान है, जिसे छत्तीसगढ़ हमेशा याद रखेगा।

नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई के साथ विकास को भी बनाया रणनीति का अभिन्न हिस्सा



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार की रणनीति शुरू से स्पष्ट थी कि नक्सलवाद का समाधान केवल सुरक्षा अभियानों से नहीं, बल्कि विकास और जनविश्वास से भी होगा। बस्तर की जनता लगभग चार दशकों तक नक्सलवाद के कारण विकास से वंचित रही। नक्सली नहीं चाहते थे कि अंदरूनी क्षेत्रों तक शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी और शासन की योजनाएं पहुंचें।

इसी सोच के साथ सरकार ने 'नियोजनेन्द्रनार' योजना शुरू की। सुरक्षा कैफ़ेप आसपास स्थापित होने के साथ ही उनके आसपास के गाँवों में सड़क, राशन, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं और सुविधाओं को तेजी से पहुंचाया गया। दूरस्थ अंचलों में पहली बार अनेक लोगो के राशन कार्ड बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले कई ग्रामीणों को राशन लेने के लिए आने-जाने में पांच दिन तक लग जाते थे। अब राशन स्वयं उनके द्वार तक पहुंचा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार का लक्ष्य बस्तर को देश के सबसे विकसित आदिवासी अंचलों में स्थापित करना है। बस्तर में संचार और

कनेक्टिविटी के साधनों का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। नक्सल हिंसा के कारण बंद हो चुके स्कूलों को फिर से खोला गया है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा की लौ दोबारा जल उठी है।

उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री स्वस्थ
बस्तर' योजना के अंतर्गत बड़े पैमाने पर
लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा गया
है। 'बस्तर मुझे' अभियान के माध्यम से
अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर लोगों को
शासन की आवश्यक सुविधाओं और
योजनाओं से जोड़ रहे हैं। बस्तर के
विकास में कृषि, पशुपालन, वनोद्यम
आधारित अर्थव्यवस्था और पर्यटन को
विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। वनोद्यम
के वैल्यू एडिशन के माध्यम से स्थानीय
लोगों की आय बढ़ाने की दिशा में काम
हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब सुरक्षा कैपों को 'सेवा डेरा' के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों से जोड़ा जाएगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होमस्टे विकसित किए जा रहे हैं और होमस्टे के लिए आधा एवं सॉल्विडी की व्यवस्था की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दतेवाड़ा में विकसित एजुकेशन हब की तर्ज पर ओरछा और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी विकसित करने का प्रावधान इस वर्ष के बजट में किया गया है। गौदम में मेडिकल कॉलेज को स्वीकृति दी गई है। स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का परिणाम है कि आज बस्तर में गंभीर बीमारियों का भी इलाज संभव हो

रहा है।

उन्होंने कहा कि आदिवासी बच्चों को उनकी मातृभाषा में बेहतर ढंग से शिक्षा से जोड़ने के लिए प्राथमिक स्तर पर गोंडी और हल्बी जैसी स्थानीय भाषाओं में पढ़ाई की व्यवस्था की गई है। सरकार बस्तर के विकास का मॉडल बाहर से थोपने के बजाय वहां के लोगों की जरूरत, संस्कृति और आकांक्षाओं के अनुरूप तैयार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में 'नियत नैल्लानर 2.0' का रोडमैप तैयार किया जा चुका है। अब सरकार विकास को इस प्रकृष्टिया को और व्यापक रूप से दे जा रही है। किसानों के खेतों तक संचाइनी नदी पर का पानी पहुंचाने के लिए इंद्रावती नदी पर देऊगांव और मटनार परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 80 हजार एकड़ क्षेत्र को सिंचाई सुविधा से जोड़ने की दिशा में काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार बनने ही पहली कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों का स्वीकृति देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। पिछले दो वर्षों में 11 लाख से अधिक आवासों का निर्माण हो चुका है और प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1600 आवास बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरीब परिवार के लिए पक्का मकान केवल छत नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य का आधार है।

महिला सशक्तीकरण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की सहायता दी जा रही है।

छत्तीसगढ़ एवं पंजाब की जनता ने भूपेश के नेतृत्व को नकारा : भाजपा

रायपुर (विश्व परिवार)।
भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश
प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय ने
कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश
बघेल कांग्रेस के ऐसे नेता हैं,
जिन्हें जब एक राज्य के कार्यकर्ता
पसंद नहीं करते तो उन्हें दूसरे
राज्य में भेज दिया जाता है और
जब दूसरे राज्य में भी कार्यकर्ता
उनके नेतृत्व को स्वीकार नहीं
करते, तो उन्हें किसी अन्य राज्य
का दायित्व सौंप दिया जाता है।

जिसी भी राज्य में कांग्रेस कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व को स्वीकार करना नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री रहते हुए भूपेश बघेल ने अपने ही कार्यकर्ताओं को सदैव नजरअंदाज किया, जिसका परिणाम आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है और कांग्रेस कार्यकर्ता अब उनके नेतृत्व में कार्य नहीं करना चाहते।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बाद पंजाब के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी भूपेश बघेल को करारा सबक सिखाया है। पंजाब में तो इसका विरोध स्पष्ट रूप से तब देखने को मिला, जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'भूपेश बघेल वापस जाओ' के पोस्टर तक लगा दिए थे उन्होंने कहा कि

भूपेश बघेल एक राज्य से दूसरे राज्य तक जाकर कांग्रेस पार्टी की करारी शिकस्त की कहानी लिखने का कार्य कर रहे हैं। इससे पूर्व कई राज्यों में चुनाव के दौरान उन्हें ऑब्जर्वर बनाकर भेजा गया था, जहाँ कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा। छत्तीसगढ़ और पंजाब के बाद अब भूपेश बघेल का अगला लक्ष्य असम में कांग्रेस पार्टी में पूरे डालना है, जो अवश्य पूरा होगा।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पांडेय ने कहा कि अपने ही कार्यकर्ताओं को 'स्लीपर अपेल' जैसे शब्दों से संबोधित करने वाले छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का अब कांग्रेसी कार्यकर्ता हर जगह अपमान कर रहे हैं। यह उनके कर्मों का ही फल है। जिन्होंने कभी अपने कार्यकर्ताओं का सम्मान नहीं किया, आज ऐसे उन्हीं कार्यकर्ताओं द्वारा ऐसे नेता को नकारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल अगर सच में निर्दोष हों तो उन्हें कांग्रेस से इस्तीफा देना चाहिए। इसके पहले भी असम में कांग्रेस की शर्मनाक हार के कारण भूपेश बघेल रहे हैं। वे जहाँ भी जाते हैं, कांग्रेसी ही लुटिया डुबोते हैं। सबसे अधिक राज्यों में चुनाव हारने का राहुल के बाद दूसरा सबसे बड़ा रिकॉर्ड भूपेश के नाम होगा।

आईजीकेवी रायपुर ने जारी किया बी.एससी. कृषि प्रवेश का नया काउंसिलिंग शेड्यूल

रायपुर। ईंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय (आईजीवीके) रायपुर द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए पी.एच.डी. एवं कक्षा 12वीं के अंकों के आधार पर बी.एससी. (अनर्स) कृषि पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु कार्डसॉलिंग कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में निर्धारित ऑनलाइन पंजीयन एवं दस्तावेज अपलोड करने की प्रक्रिया 03 सितम्बर को पूर्ण हो चुकी है, जिसके बाद अब रिक्त सीटों को भरने की तैयारी की जा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, कुल 1,951 सीटों में से

प्रथम चरण एवं स्पोर्ट कार्ड्ससिलिंग के माध्यम से 1,555 सीटों पर प्रवेश पहले ही पूर्ण हो चुका है। अब शेष बची 396 रिक्त सीटों को भरने के लिए कुल 577 पंजीकृत अभ्यर्थियों के बीच आगामी 07 और 08 सितम्बर 2026 को काउंसिलिंग आयोजित की जाएगी।

नाम परिवर्तन

श्रि जिङ्गो बाई पिता श्री रामफल उ
नमनभग 23 वर्ष निवासी ग्राम -
सर्वा पारा, जगदीशपुर, तहसील -
हनुमानपुर, जिला-सरगुजा
छ.ग.) निम्नांकित शपथ पूर्वक
कथन करती हूँ कि मेरा सही व
वास्तविक नाम जिङ्गो बाई
(JHINGO BAI) पिता श्री
रामफल है जो कि सही है। जबकि
मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम प्रियंका
(PRIYANKA) दर्ज है जो कि
गलत है।

अतः आज से मेरे वास्तविक नाम ज़िंगो बार्ड (JHINGO BAI) पिता श्री रामफल के नाम से जाना पहचाना एवं समस्त दस्तावेज में दर्ज किया जाए।

इस संबंध में मेरा मेरा स्वयं का
पथ पत्र प्रस्तुत है।

शपथकर्ता
झिंगो बाई
(JHINGO BAI)

परिवर्तन सूचना

जैन जैविक महेन्द्र
रामकुण्ड, रायपुर
(छ.ग.)

[illegible]

धारणा बदलो,जीवन की दिशा बदल जाएगी; रील लाइफनहीं, हकीकत को पहचानें -निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी

कुण्डलपुर (म.प्र) (विश्व परिवार)। निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि मनुष्य का जीवन केवल परिस्थितियों से नहीं बनता, बल्कि उन परिस्थितियों को देखने वाली उसकी धारणा जीवन की दिशा तय करती है। संसार जैसा दिखाई देता है, वह हमेशा वैसा नहीं होता; बहुत कुछ हमारी दृष्टि और मानसिक धारणा का परिणाम होता है। इसलिए जीवन बदलने से पहले अपनी धारणा को बदलना जरूरी है। जैसी धारणा होगी, वैसा ही जीवन दिखाई देगा।मुनिश्री ने कहा कि विचार स्थायी नहीं होते। वे आते-जाते रहते हैं, लेकिन जब कोई विचार लगातार दोहराया जाता है तो वह धीरे-धीरे धारणा का रूप ले लेता है। फिर वही धारणा हमारे लिए ऐसे चश्मे का काम करती है, जिससे हम संसार, लोगों और परिस्थितियों को देखने लगते हैं। यदि किसी व्यक्ति ने यह मान लिया कि दुनिया में सभी लोग स्वार्थी और धोखेबाज हैं, तो उसका मन उन्हीं घटनाओं को अधिक देखेगा जो उसकी धारणा को सही साबित करेंगी। इसके विपरीत जिसने यह धारणा बनाई है कि उसे जीवन में आगे बढ़ना है,



वह कठिनाइयों के बीच भी संभावनाओं और अवसरों को पहचानने लगेगा।उन्होंने कहा कि धारणा बनने के पीछे तीन प्रमुख कारण हैं—दोहराव, भावनात्मक अनुभव और वातावरण। किसी बात को बार-बार सुनना, देखना या सोचना उसे मन में गहरा बैठा देता है। दूसरी ओर कोई गहरा भावनात्मक अनुभव भी एक क्षण में धारणा बना सकता है। मंच पर बोलते समय किसी बच्चे का एक बार उपहास हो जाए और वह यह मान ले कि ‘मैं अच्छा वक्ता नहीं बन सकता,’ तो एक घटना उसके आत्मविश्वास को लंबे समय तक प्रभावित कर सकती है।

मुनिश्री ने कहा कि परिवार, समाज, संस्कार, मित्र, गुरु और आज सोशल मीडिया हमारी धारणाओं को लगातार प्रभावित कर रहे हैं। डिजिटल युग में सबसे

बड़ी चुनौती उधार की धारणाओं से बचने की है। लोग दूसरों के सजाए हुए जीवन को वास्तविक जीवन समझने लगे हैं।रील में दिखाई देने वाली सफ़लता, सुंदरता और सुख के पीछे का संघर्ष दिखाई नहीं देता।जब रील लाइफ को रियल लाइफ मान लिया जाता है तो व्यक्ति अपने वास्तविक जीवन से असंतुष्ट होने लगता है।उन्होंने कहा कि एक ही असफलता दो व्यक्तियों के लिए अलग अर्थ रख सकती है। एक व्यक्ति उसे जीवन का अंत मान सकता है, जबकि दूसरा उसे नई शुरुआत का अवसर समझ सकता है। परिस्थिति समान है, लेकिन धारणा अलग होने से परिणाम अलग हो जाते हैं। इसलिए समस्या हमेशा बाहर नहीं होती; कई बार समस्या उस दृष्टि में होती है,

जिससे हम समस्या को देख रहे होते हैं। मुनिश्री ने विज्ञान के संदर्भ में बताया कि मस्तिष्क का रेटिक्युलर एक्टिवेटिंग सिस्टम (आरएएस) ध्यान और महत्वपूर्ण सूचनाओं को छंटने में भूमिका निभाता है। व्यक्ति जिस बात को महत्वपूर्ण मानता है, उससे संबंधित सूचनाएं उसे अधिक आसानी से दिखाई देने लगती हैं। इसलिए जिस व्यक्ति की धारणा है कि ‘मेरे लिए

कोई अवसर नहीं है’, वह उपलब्ध अवसरों को भी नजरअंदाज कर सकता है, जबकि अवसर तलाशने वाला व्यक्ति उन्हीं परिस्थितियों में रास्ता खोज लेता है।जैन दर्शन के संदर्भ में उन्होंने कहा कि सम्यक दृष्टि जीवन की मूल आवश्यकता है। जब दृष्टि मिथ्यात्व से प्रभावित होती है तो वस्तु और जीवन को देखने का तरीका विपरीत हो जाता है। जैसे-जैसे भीतर की योग्यता विकसित होती है और मिथ्यात्व का क्षय या उपशम होता है, दृष्टि सम्यक दिशा में बढ़ती है। सम्यक धारणा व्यक्ति के भीतर भय, लोभ और अहंकार को कम करती है तथा दया, वात्सल्य, सहनशीलता और संतुलन को बढ़ाती है।

मुनिश्री ने आज की पीढ़ी की दूसरी बड़ी समस्या तुरंत परिणाम पाने की मानसिकता को बताया। युवा पढ़ाई में तुरंत सफ़लता, नौकरी में जल्दी पदोन्नति, व्यापार में तत्काल लाभ और जीवन में शीघ्र सुख चाहते हैं। परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं आया तो निराशा घेर लेती है। जबकि जीवन कोई त्वरित सेवा नहीं है। सफ़लता एक प्रक्रिया है और प्रक्रिया में समय लगता है।

दीक्षारम्भ कार्यक्रम के अंतर्गत मैट्स विवि के योग विद्यार्थियों का ज्ञानदर्शन योग आश्रम भ्रमण



रायपुर (विश्व परिवार)। मैट्स विवि के योग विभाग द्वारा दीक्षारम्भ कार्यक्रम के अंतर्गत रु. ह्रुषहट्टु के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए भिलाई स्थित ज्ञानदर्शन योग आश्रम का शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने योगदर्शन एवं ज्ञान-विमर्श, कर्मयोग साधना, योगनिद्रा, भजन एवं कीर्तन तथा हठयोगाभ्यास जैसी विविध गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की। इसके अतिरिक्त, जीवन-मूल्यों तथा

योग को दैनिक जीवन में समाविष्ट करने से संबंधित एक विशेष सत्र भी आयोजित किया गया। इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को योग की व्यावहारिक, आध्यात्मिक एवं जीवनोपयोगी अवधारणाओं से परिचित कराना था। विद्यार्थियों ने आश्रम के शांत एवं आध्यात्मिक वातावरण में योग-साधना का अनुभव प्राप्त किया तथा योग के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्षों के मध्य संबंध को समझा। यह कार्यक्रम डॉ. राघव कुमार वर्मा तथा योग

विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. योगेश कुमार साहू के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं अविस्मरणीय अनुभव सिद्ध हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) के. पी. यादव, कुलसचिव गोकुला नंदा पंडा, कुलाधिपति गजराज पगारिया, महानिदेशक प्रियेश पगारिया तथा शारीरिक शिक्षा एवं योग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह ने आयोजन की सफलता पर शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

450 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों और 150 से अधिक पुलिसकर्मियों ने लिया हिस्सा

जगदलपुर (विश्व परिवार)। JCI द्वारा आयोजित साइकिल रेस 2.0 डू राइड एंड लीड का रविवार को उत्साहपूर्ण एवं सफल आयोजन किया गया। आयोजन में 450 से अधिक स्कूली विद्यार्थियों के साथ 150 से अधिक पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लेकर फिटनेस, अनुशासन, सड़क सुरक्षा और युवा नेतृत्व का संदेश दिया कार्यक्रम में महापौर संजय पांडे, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, बस्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (छहटडू) के अध्यक्ष श्याम सोमानी तथा पूर्व विधायक रेखचंद जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।



रियांशी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया और पुरस्कार स्वरूप साइकिल जीती।कार्यक्रम का सफल बनाने में सहयोग देने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, सहभागी स्कूलों, प्रायोजकों, स्वयंसेवकों, मीडिया, अभिभावकों और सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।JCI पदाधिकारियों ने कहा कि राइड एंड लीड केवल एक साइकिल रेस नहीं, बल्कि स्वस्थ, फिट और सक्रिय बस्तर की दिशा में एक सार्थक पहल है। इस आयोजन के माध्यम से युवाओं में फिटनेस के साथ सड़क सुरक्षा, अनुशासन और नेतृत्व की भावना को बढ़ावा देने

राघौगढ़ में श्रमण धारा प्रवचनमाला रावण अभिमानी था, श्री राम स्वाभिमानी

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। धर्मनगरी राघौगढ़ में चातुर्मास कर रहे आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य बुंदेली महाकवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने अभिमान एवं स्वाभिमान में अंतर विषय पर मंगल प्रवचन करते हुए कहा रावण की लड़ाई अभिमान की थी और श्री राम की लड़ाई स्वाभिमान की थी। रावण अहंकारी था, अहंकार के कारण ही उसने महा सती सीता का अपहरण किया। श्री राम ने स्वाभिमान पूर्वक लंका पर चढ़ाई कर सीता को रावण के यहां से मुक्त कराया। इस लड़ाई का यह परिणाम हुआ कि सोने की लंका जलकर राख हो गई और रावण के पूरे कुल का नाश हो गया। मैं ही सब कुछ हूं, यह व्यक्ति का अभिमान है, मैं भी हूं यह स्वाभिमान है। मुनिराज ने आगे कहा दुनिया में चार प्रकार के लोग होते हैं पहले जिनको न तो अभिमान है न स्वाभिमान है। दूसरे वे जिनको



अभिमान भी है और स्वाभिमान भी है। तीसरे वे जिनको अभिमान है स्वाभिमान नहीं। चौथे हुए हैं जिनको अभिमान नहीं है स्वाभिमान राग राग में भरा है। आपने कहा पहले तीन का कोई मूल्य नहीं है। चौथे जो हैं जिनको अभिमान नहीं है स्वाभिमान राग राग में भरा है। ऐसी श्रेणी में इस सदी के महान संत आचार्य विद्यासागर जी महाराज आते हैं। आपने जैन दर्शन की ऐतिहासिक घटना का उल्लेख करते हुए कहा भगवान आदिनाथ के सुपुत्र भरत चक्रवर्ती ने अपने भाई बाहुबली पर

चक्र चला दिया था। यह भरत चक्रवर्ती का अभिमान था। मुझे किसी की जरूरत नहीं है यह मेरा अभिमान है सबको मेरी जरूरत है यह मेरा स्वाभिमान है। आपने आचार्य विद्यासागर जी महाराज के प्रवचनों का उल्लेख करते हुए कहा जब अहंकारी का पेट निकलता है वह किसी को गले नहीं लगाता।। मुनि श्रमण सागर जी ने कहा जब भी मन में घमंड आए अपने से ऊपर वाले को देख लेना। मन में हीन भावना आए तो अपने से नीचे वाले को देख लेना।

शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट शिक्षका एवं छात्रा का हुआ सम्मान

जबलपुर (विश्व परिवार)। शिक्षक दिवस पर सोशल रूप जबलपुर नगर द्वारा समाजसेवी शिक्षक व छात्र सम्मान अंतर्गत,पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन एवं फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्व.प्रदीप सिंह जी कासलीवाल जी की पुण्यतिथि पर उत्कृष्ट शिक्षक एवं प्रतिभावन छात्र का सम्मान समारोह आज 5 सितंबर 26 दिन,शनिवार को प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थान जैन पुत्रीशाला में अपराह्न 12 बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सोशल रूप की क्रियाशीलता पर प्रकाश डालते हुए रूप के वरिष्ठ संरक्षक संजय चौधरी द्वारा आयोजन का सफल संचालन किया, सर्वप्रथम महाकौशल विंध्य के अध्यक्ष ह्र मनोज साधना जैन द्वारा पूर्व राष्ट्रपति राधाकृष्णन एवं सोशल रूप रूपी क्रांति के जनक



स्व.प्रदीप सिंह जी कासलीवाल जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला, मंचासीन समस्त गुरुजनों एवं रूप पदाधिकारियों द्वारा इन महामानाओं के चित्र पर माल्यार्पण एवं मंगलाचरण से 1कार्यक्रम को शुरुआत हुई साथ ही अंग्रेजी एवं हिंदी विषय की शिक्षिकाएं कु. हर्षिता उपाध्याय, कुषिका जैन,मानसी राठौर, श्रीमती दीप्ति वाजपेई,सरिता कैथल, स्वाति सोनी,कु.अंजु

जैन,संप्रदा सोनी, पूजा सोनी,दीपशिखा दीक्षित,लक्ष्मी कोरी , श्रीमती शीला पटेल को माला,दुपट्टा से सम्मानित किया गया, *उत्कृष्ट शिक्षका हेतु श्रीमती वंदना जैन को एवं उत्कृष्ट छात्रा हेतु क्लास 12हृदय की रितिमा रोशन महार को सम्मान पत्र,शाला श्रीफल,दुपट्टा देकर सम्मानित किया गया* अध्यक्ष प्रफुल्ल रीता जैन, सचिव सुरेन्द्र प्रीति जैन, कोषाध्यक्ष कमल सुनीता जैन,

प्रदीप कुमुद बेटिया, अनिल अनुपमा जैन, संतोष जैन, जैन,रविव्र जैन,,नीतिन जैन,सनद जैन,अतुल जैन, शरद (सोन्) जैन की सहभागिता में आयोजित इस आयोजन में रूप पदाधिकारियों ने उपस्थित छात्राओं एवं शिक्षिकाओं का आभार प्रकट करते हुए गरिमापूर्ण तरह से कार्यक्रम का समापन किया गया।अध्यक्ष – प्रफुल्ल रीता जैन,सचिव – सुरेन्द्र प्रीति जैन, कोषाध्यक्ष- कमल

कवर्धा (विश्व परिवार)। शासकीय महाविद्यालय सहसपुर लोहारा में शिक्षक दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के बी.ए., बी.एससी. एवं बी.कॉम. के छात्र-छात्राओं द्वारा अपने गुरुजनों के सम्मान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उत्साह एवं उमंग के साथ विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।

शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान, श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी गुरुजनों एवं छात्र-छात्राओं का मन मोह लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्या



श्रीमती डॉ. के. एस. परिहार ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों द्वारा अपने गुरुजनों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के जीवन को सही दिशा देने के साथ ही उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचार्या ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के

लिए एनसीसी एनएसएस व सभी संकाय के छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्राचार्या श्रीमती डॉ. के. एस. परिहार सहित असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मोना बर्मन, संदीप सोनकर, रूपेश वर्मा, गौरव जायसवाल, डॉ. ज्योति चंद्रवंशी, अंजु

महोबिया, दीपक पटेल, लक्ष्मीकांत वर्मा, डॉ. खिलेश्वरी चंद्रवंशी, काजल साहू , आभा जोशी,विवेक चौहान, आशीष वर्मा एवं गिरधारी वर्मा सहित महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

शिक्षक दिवस पर जैन मिलन ने वीरांगना पब्लिक स्कूल में शिक्षकों का किया सम्मान

झाँसी (विश्व परिवार)। भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस पर 5 शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर जैन मिलन मुख्य शाखा, झाँसी द्वारा वीरांगना पब्लिक स्कूल, बंगला घाट में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जैन मिलन के पदाधिकारियों ने विद्यालय के शिक्षकों के साथ शिक्षक दिवस मनाते हुए उनके योगदान एवं सेवाओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती राशि राजेश जैन एवं वरिष्ठ अध्यापिका श्रीमती आशा रायकर को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए शॉल, मेडल एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय में शिक्षा एवं संस्कारों के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की गई।



समारोह को संबोधित करते हुए जैन मिलन के अध्यक्ष आईएफएस वीर वी.के. जैन ने कहा कि शिक्षक समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को विषयगत ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनमें अच्छे संस्कार, अनुशासन, समर्पण एवं उच्च जीवन-मूल्यों का विकास भी करते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की। वीर बृजेंद्र मोदी ने विद्यालय की अध्यापिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। इस अवसर पर श्री रविन्द्र जैन ‘रेलवे’ ने राजेश जैन के संबंध में अपने संस्मरण साझा किए। श्री नीतू मोदी

सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जैन मिलन मुख्य शाखा के सचिव वीर दीपक जैन सीए, कोषाध्यक्ष वीर नीलेश मोदी, वीर डॉ. विनय जैन, वीरा कमल जैन, श्रुतिका सहित जैन मिलन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के 15 से अधिक अध्यापक-अध्यापिकाओं की उपस्थिति रही। सभी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए शिक्षा और संस्कारों को समाज की ऊपरी का आधार बताया। समारोह का संचालन डॉ. विनय जैन ने किया। विद्यालय परिवार एवं जैन मिलन मुख्य शाखा की ओर से मुख्य प्रचार संयोजक शिशाल जैन पवा ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित

10 एमएलडी प्लांट के राईजिंग पाईप में पाईप लाईन जोड़ने के कारण

राजनांदगांव। मोहारा बस्ती में सुचारु पेयजल सप्लाई के लिए 10 एमएलडी प्लांट के राईजिंग पाईप लाईन में पाईप लाईन जोड़ने के कारण इंदिरा नगर टंकी (क्षमता 15.00 लाख लीटर) से कल दिनांक 07 सितम्बर 2026 दिन सोमवार को शाम के समय पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। 8 सितम्बर मंगलवार सुबह से पानी सप्लाई यथावत रहेगी। टंकी सफाई की कड़ी में साफ पेयजल सप्लाई के लिए इसी माह से टंकीजो की सफाई भी करी जायेगी। उकाशय की जानकारी देते हुए निगम आयुक्त श्री जी.आर. मरकाम ने बताया कि मोहारा बस्ती के उचाई क्षेत्र जहाँ टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई होती है। वहाँ पानी सप्लाई के

लिए 15वें वित्त आयोग योजनांतर्गत पाईप लाईन बिछाया गया है, जिसे 10 एमएलडी फ्ल्टर प्लांट के राईजिंग पाईप लाईन से जोड़ा जाना है। पाईप लाईन जुड़ जाने से मोहारा बस्ती के उचाई क्षेत्र में सुचारु पेयजल सप्लाई होगी। उन्होंने बताया कि उक्त पाईप लाईन जोड़ने के कारण इंदिरा नगर टंकी (क्षमता 15 लाख लीटर) :- इंदिरा नगर बाई, चैचड़िया पारा, नंदई, हिरामोती लाईन, गंज लाईन, ब्राह्मणपारा, पटानपारा, उदयचल, दुर्गा चैक, दिग्विजय कालेज रोड, दिवानपारा, सतनामी पारा, सेठीनगर, मोहारा, बजरंगनगर क्षेत्र में कल 7 सितम्बर सोमवार को शाम को पेयजल सप्लाई बाधित रहेगी।

चाय की चुस्की और दीदियों का हौसला : केरलापाल में खुला उम्मीदों का 'पंचायत कैफे'

प्रोटोकॉल छोड़ महिला समूहों के बीच बैठे शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, चखा हाथों से बना नाश्ता

पुष्पमा। वनांचल सुष्पमा में ग्रामीण महिलाओं को को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। ग्राम पंचायत केरलापाल में जिला पंचायत द्वारा निर्मित 'पंचायत कैफे' का छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने शुभारंभ किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीप्तिका शोरी, कलेक्टर अमित कुमार और जिला पंचायत की सुविधाओं को मुकदंदा जल्दी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण महिलाएं मौजूद रही। बिहान योजना से जुड़े स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को स्वच्छ खान-पान की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही महिला समूहों के लिए रोजगार और आय का नया माध्यम बनाना कैफे परिसर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत आधुनिक पंचायत की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। जिला पंचायत कैफे के शुभारंभ के दौरान शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने औपचारिक प्रोटोकॉल से अलग हटकर महिला स्व-सहायता समूह की वीटियों को बीच बैठकर उनसे संवाद किया। उन्होंने महिलाओं के हार्थों से तैयार पारंपरिक नारता किया और चाय की चुस्की लेते हुए उनके कार्य और हुनर की सराहना



की। मंत्री ने महिलाओं के उत्साह और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करते हुए अपनी ओर से नकद राशि भेंट कर उनका हौसला बढ़ाया।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत लगभग 1.14 करोड़ रुपये का लागत से तैयार 8 फोर्स ट्रैक्स 'तूफान' वाहनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ये वाहन नियत नेल्सन क्षेत्र में महिला संकुल संगठनों के माध्यम से ग्रामीण आजीविका एवं परिवहन



गतिविधियों को गति देंगे। इस योजना के तहत कृत्तिका महिला संकुल संगठन, चिंतलनार को 2 वाहन, विद्या महिला संकुल संगठन, दुब्बाटोटा को 2 वाहन, खुशी महिला संकुल संगठन को 2 वाहन, उदय महिला संकुल संगठन, एरंगोर को 1 वाहन तथा प्रतिज्ञा महिला संकुल संगठन को 1 वाहन प्रदान

किया गया। इन वाहनों के संचालन से अंदरूनी गांवों में आवागमन और परिवहन की सुविधा बेहतर होने के साथ ग्रामीण उत्पादों को हाट-बाजारों तक पहुंचाने में भी मदद मिलेगी। इससे महिला स्व-सहायता समूहों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने की उम्मीद है।

महिला सशक्तिकरण को नई दिशा

काकूम को संबोधित करते हुए शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं की महान और अत्यन्तविशाल समाज के लिए प्रेरणादायी है। पंचायत केफ और ग्रामीण आजीविका एक्सप्रेस जैसी पहलें महिलाओं को रोजगार, स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जब सुदूर अन्तर्लु की महिलाओं के हाथों में उद्यम की ब्राण्डेड आती है, तो उसका लाभ पूरे परिवारों और समाज को मिलता है। इस अवसर पर अकरण सहि भदौरिया, धनीमरन बारसे, गुंगाराम, जनपद सदस्य भीमा धनकम सफित अन्य जनपदीनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्य मौजूद रहे।

रायपुर के ज्वेलर्स को मिलेंगे जेजेएस- 2026 में कारोबार बढ़ाने के नए मौके

ज्वेलर्स को कारोबार से
संबंधित मौकों की
जानकारी देने रायपुर सराफा
एसोसिएशन के सहयोग से
रायपुर में हुआ रोड शो



रायपुर: ज्वेलरी कारोबार से जुड़े व्यापारियों के लिए एन खरीदारी से जुड़ना, नए प्रोडक्ट देखना और कारोबार बढ़ाने के मौके तलाशना जरूरी होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जयपुर ज्वेलरी शो (JJS) ने अपने दिस्म्बर 2026 में होने वाले द दिस्म्बर शो के लिए आयोजन में प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया, जिसमें ज्वेलर्स को शो में मिलने वाले कारोबार से संबंधित मौकों की जानकारी दी गई। रायपुर सरफाण एसोसिएशन के सहयोग से शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के ज्वेलरी और सरफाण कारोबारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जेजेएस-2026 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और कारोबारियों को शो में शामिल होने के फायदों से अवगत कराया गया। जेजेएस-2026 का आयोजन 25 से 25 दिस्म्बर तक जयपुर एजोशियेशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी), जयपुर में

हांगा। उक्त कार्यक्रम में रायपुर सराफ एसोसिएशन के अध्यक्ष धरम चंद भंसाली, सचिव जितेंद्र लोख्ठा और कार्यक्रम संयोजक अशोक बरडिया मौजूद रहे। वहां, जयपुर ज्वेलरी शो की ओर से चेयरमैन राजीव जैन और मानद प्रतिष्ठित कमल कोठारी ने सचिनिधित्व किया। इस दौरान, जेजेएस चेयरमैन राजीव जैन ने प्रेजेंटेशन के जरिए शो की शुरुआत से लेकर अब तक के सफर और जेम्स एंड ज्वेलरी कारोबार में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जेजेएस-2026 में शामिल अलग-अलग सेक्शनों और कारोबारियों के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, जयपुर ज्वेलरी शो ऐसा मंच है, जहां निर्माता, थोक और खुदरा कारोबार, नियातक, डिजाइनर और जेम्स एंड ज्वेलरी

कारोबार से जुड़े लोग एक ही जगह पर मिल सकते हैं। इससे कारोबारियों को नए लोगों से जुड़ने, नए प्रोडक्ट देखने, कारोबार पर बातचीत करने और नए व्यावसायिक संबंध बनाने का मौका मिलता है। उन्होंने रायपुर के ज्वेलर्स को जेजेएस-2026 में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। रोड शो के दौरान रायपुर के ज्वेलरी कारोबारियों ने जेजेएस प्रतिनिधियों से शो में भाग लेने, वहाँ मिलने वाले कारोबार के अवसरों और अन्य जानकारीयों को लेकर बातचीत की। रायपुर सराफ एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी रोड शो का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन रायपुर और जयपुर के ज्वेलरी कारोबारियों को एक-दूसरे से जोड़ने और आपसी व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने में मदद करते हैं।

बाल विवाह के खिलाफ भारत की मुहिम को वैश्विक मान्यता, संयुक्त राष्ट्र ने 27 नवंबर को घोषित किया अंतरराष्ट्रीय दिवस; छत्तीसगढ़ ने भी लिया तेज कार्रवाई का प्रण

रायपुर: बाल विवाह के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में भारत से उठी आवाज की 27 वर्षक मान्यता मिली है। संयुक्त राष्ट्र ने 27 नवंबर को की 'बाल विवाह, कम उम्र और जबरन विवाह के उन्मूलन के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' घोषित किया है। भारत के लिए इस तारीख का विशेष महत्व है, क्योंकि 27 नवंबर 2024 को ही भारत सरकार ने 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान की शुरुआत की थी। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के संस्थापक भुवन श्रु ने बाल विवाह के खतमे के लिए एक अलग समर्पित अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने की पहल की थी। मार्च 2026 में संयुक्त राष्ट्र में भुवन श्रु ने अपने संबोधन के दौरान कई वैश्विक नेताओं की मौजूदगी में एक बार फिर बाल विवाह के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित करने के लिए प्रस्ताव लाने की बात की। तब अफ्रीकी देश सिएरा लियोन की फर्स्ट लेडी डॉ. फातिमा मादा बायो भी मौजूद थीं, जिन्होंने इस पहल का समर्थन किया। इसके बाद सिएरा लियोन ने भारत सहित 67 देशों के अनुमोदन वाला प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा में पेश किया, जिसमें 27 नवंबर को बाल विवाह समाप्त करने के लिए समर्पित वैश्विक दिवस घोषित करने की बात थी। 4 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को पारित कर दिया। संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव पेश करने के दौरान सिएरा लियोन की फर्स्ट लेडी डॉ. फातिमा मादा बायो ने यूएन हॉल में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का विशेष रूप से उल्लेख भी किया।



दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क है और अपने "चाइल्ड मैरिज फ्री वर्ल्ड" अभियान के तहत बाल विवाह के खिलाफ एक वैश्विक लड़ाई लड़ रहा है। भारत में, जेआरसी अपने सहयोगी संगठनों के साथ देश के सभी 782 जिलों में बाल विवाह के लिए संवेदनशील समुदायों के बीच काम कर रहा है। जेआरसी ने अपने सहयोगी संगठनों के साथ सरकारों और कानून-प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग से समुदायों, स्कूलों, पंचायतों, आदिवासी और वंचित समुदायों, महिलाओं, पुलिसकर्मियों, धर्मगुरुओं और जनप्रतिनिधियों को बाल विवाह रोकने के लिए एकजुट किया है। पिछले तीन वर्षों में जेआरसी ने छत्तीसगढ़ के 33 जिलों में 8 सहयोगी संगठनों के साथ मिलकर 8,414, जबकि पूरे भारत में 5,50,000 लाख से अधिक बाल विवाह रूकवाए हैं।

संयुक्त राष्ट्र में इस प्रस्ताव के अपनाए जाने के मौके पर यूएन प्रतिनिधिमंडल के साथ मौजूद जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के

संस्थापक भुवन ऋषि, नागरिक समाज संगठनों की ओर से एकमात्र प्रतिनिधि थे। उन्होंने इस घोषणा का स्वागत करते हुए कहा, आज भारत बाद संरक्षण के क्षेत्र में दुनिया के सामने विश्वगुरु के रूप में स्थापित हो रहा है। 'चार्ल्ड मैरिज प्री इंडिया' अभियान की शुरुआत सबसे पहले बच्चों और समुदायों ने की और बाद में सरकार ने इसे समर्थन देकर बड़े स्तर पर आगे बढ़ाया। 27 नवंबर 2024 को इस अभियान के तहत 25 करोड़ से ज्यादा लोगों ने एक साथ मिलकर वाली विवाह के खिलाफ शपथ ली थी। आज यही अभियान विश्व द्वारा स्वीकार किए गए एक अंतरराष्ट्रीय दिवस का रूप ले चुका है। यह हर भारतीय के लिए गर्व का पल है। मैं बच्चों, समुदाय के नेताओं, धर्मगुरुओं और खासतौर से अपने सभी सहयोगी संगठनों को बधाई और धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिनकी कड़ी मेहनत और प्रतिक्रिया ने आज के इस दिन को संभव बनाया। मैं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार और महिला एवं

बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी को उनके निर्णायक नेतृत्व और प्रतिबद्धता के लिए विशेष रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं। दुनिया हमारी ओर देख रही है और हमारा काम अभी बस शुरू हुआ है।

उन्होंने कहा, आज का दिन उस निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जो यह दर्शाता है कि बाल विवाह जैसे अपराध का अंत अब निश्चित और जल्द होने वाला है। अब समय आ गया है कि दुनिया भर की सरकारें 2030 तक बाल विवाह को समाप्त करने के लिए निर्णायक नेतृत्व प्रदान करें और हर बच्चे की शिक्षा, सुरक्षा और विकास सुनिश्चित करें, ताकि वह अपने पूरी क्षमता को साकार कर सकें। उन्होंने कहा, मैं सिंपला लियन को फर्स्ट लेडी का इस मुद्दे को मजबूती से आगे बढ़ाने में उनके नेतृत्व के लिए आभारी हूँ। साथ ही मैं उन 67 देशों को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिन्होंने हमारे प्रस्ताव का समर्थन किया।

इस मुहिम का प्रभाव छत्तीसगढ़ में बाल विवाह की दर में आई गिरावट में भी साफ नजर आता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 (2019-21) के अनुसार राज्य में 12.1 फीसदी लड़कियों की शादी 18 साल से पहले हो चुकी थी, जबकि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-6 (2023-24) में यह आंकड़ा घटकर 10.1 फीसदी रह गया, हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर यह 20.1 फीसदी है। भारत सरकार ने 2026 तक बाल विवाह की दर को 10 फीसदी तक घटाने का लक्ष्य रखा है। केंद्र और राज्य, दोनों ही स्तरों पर लगातार किए जा रहे प्रयासों की बदौलत उम्मीद है कि 2026 खस होते-होते भारत में बाल विवाह की दर 15 फीसदी से भी नीचे आ जाएगी।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला अस्पताल को राज्य स्तर पर सम्मान

कोण्डगांव। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए जिला अस्पताल कोण्डगांव को राष्‍ट्र स्‍तर पर सम्‍मानित किया गया है। यह सम्‍मान कलेक्‍टर नूपुर राशि पन्‍ना के नेतृत्‍व, मुख्‍य चिकित्‍सा एवं स्‍वास्‍थ्‍य अधिकारी डॉ. आर.के. चतुर्वेदी तथा सिविल सर्जन सेह मुख्‍य अस्‍पताल अधीक्षक डॉ. प्रेमलाल मंडावी के मार्गदर्शन में डिजिटल स्‍वास्‍थ्‍य सेवाओं



कार्यशाला में बेहतर प्रदर्शन के लिए जिला अस्पताल कोण्डागांव को यह सम्मान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया एवं संचालक स्वास्थ्य सेवाएं संजीव कुमार

सॉफ्टवेयर के माध्यम से छह माईयुल संचालित हैं। इनके जरूर ओपीडी पंजीयन, ओपीडी क्लिनिकल, फार्मसी, आईपीडी, लैब एवं रेडियोलॉजी विभाग की सेवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है। जानकारी अनुसार, जिला अस्पताल में डिजिटल सेवाओं के लिए आवश्यक मानव संसाधन एक वर्ष पूर्व ही उपलब्ध कराया गया था। इनके परिणामस्वरूप मरीजों को डिजिटल सेवाएं लगातार उपलब्ध कराई जा रही हैं। कोषागार जैसे क्षेत्र में, जहां ग्रामीण मरीजों के पास मोबाइल और नेटवर्क की उपलब्धता सीमित रहती है, वहां भी डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराना जिले की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

**पुनीत कुमार नेताम ने जीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर
महाविद्यालय एवं अपने परिवार का नाम किया गौरवान्वित**

कोण्डगांव। शासकीय गुण्डाधूम स्नाकोर्कोर महाविद्यालय, कोण्डगांव के पुनित.कुमार नेतृय के जुन 2026 मे आयोजित जीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर महाविद्यालय एवं अपने परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। पुनित.कुमार नेतृय मे शैक्षणिक सत्र 2024-25 मे एम.ए. भूगोल की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। अपनी इस उपलब्धि से उन्होंने न केवल अपनी मेहनत एवं लगन को साबित किया, बल्कि महाविद्यालय के लिए भी गौरव



का अवसर प्रदान किया है। उनकी सफलता पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम एवं भूगोल विभागाध्यक्ष समलेश पोटाई ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने पुनीत कुमार नेताम के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

ग्रामीणों के बीच पहुंचे डॉ. प्रेमा साई, नक्सल हिंसा में जान गंवाने वाले परिवारों से की मुलाकात

बीजापुर। बस्तर के घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में बारिश, कीचड़ और कठिन रास्तों के बीच मां मातंगी दिव्य धाम के पीठथीपुरा डॉ. प्रेमा साईं महाराज नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे। उद्देश्य था—उनकी पीड़ा को करीब से समझना, उनका हालचाल जानना और जरूरत के समय उनके साथ खड़ा होना। यमपुर (पुणेड) से लेकर नैलाकांकर तक की इस यात्रा में जहां एक ओर रास्ते की मुश्किलों ने परीक्षा ली, वहीं दूसरी ओर पीड़ित परिवारों के चेहरों पर आई मुस्कान इस यात्रा की संवेदनशील तस्वीर बन गई। यमपुर पहुंचने के दौरान बारिश और कीचड़ के कारण महाराज का काफिल मुश्किल में फंस गया। एक वाहन कीचड़ में फंस गया, जबकि काफिले की एक अन्य गाड़ी खाली हो गई। इसके बावजूद यात्रा नहीं रोकी गई। कठिन परिस्थितियों के बीच महाराज ग्रामीणों के बीच पहुंचे और नक्सल हिंसा में जान गंवाने वाले परिवारों से मुलाकात की। यमपुर और नैलाकांकर की इस यात्रा में डॉ. प्रेमा साईं महाराज ने कुल चार नक्सल पीड़ित परिवारों से मुलाकात



की। आर्थिक सहायता के साथ महिलाओं को साड़ी और बच्चों को कपड़े तथा शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। वहीं तिरुपति सोढी की

बेटी संध्या की शादी का पूरा खर्च उठाने की घोषणा ने इस यात्रा को एक अलग मानवीय आयाम दिया। बारिश, कीचड़, खराब वाहन और

दुर्गम रास्तों की चुनौतियों के बावजूद अंदरूनी गांवों तक पहुंची यह यात्रा इस बात का संदेश देती नजर आई कि नक्सल हिंसा से प्रभावित

परिवारों को केवल रहत नहीं, बल्कि सम्मान, अपनत्व, विश्वास और भावनात्मक सहारे की भी जरूरत है। ग्रामीणों से बातचीत के दौरान डॉ. प्रेमा साई महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव शाय और उडुपीमण्डली एवं गुरु मंत्रों विजय शर्मा का उल्लेख करते हुए उन्हें 'देव पुरुष' बताया। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से बस्तर में शांति और सामान्य जीवन की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि बस्तर में शांति और विकास की दिशा में हो रहे प्रयासों का सफर बड़ा लम्बा यहाँ के आम ग्रामीणों और नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों तक पहुँचना चाहिए। ग्राम यम्पूर (पामेडु) में डॉ. प्रेमा साई महाराज ने नक्सल हिंसा में वर्ष 2025 में जान गंवाने वाले सुन्नम समैया और वेक्को सैंदीप के परिवारों से मुलाकात की। सुन्नम समैया की पत्नी नर्सम्म और उनके दो छोटे बच्चों से महाराज ने बातचीत कर परिवार की स्थिति जानी। वहीं वेक्को सैंदीप की पत्नी आरती और उनके नौ वर्षीय पुत्र से भी मुलाकात की। दोनों परिवारों की परिस्थितियों के

समझने के बाद महाराज ने 21-21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। इसके साथ ही महिलाओं को साड़ी और बच्चों को कपड़े, कार्पी, पेन, कंपास बॉक्स व चप्पल विवरित की गईं। ग्रामीणों को दिव्य कवच और भर्भूति भी प्रदान की गई। दुर्गम रस्तों की परेशानियों के बावजूद महाराज जी ने ग्रामीणों के बीच पर्याप्त समय बिताया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर भोजन किया और उनकी समस्याएं सुनीं। उनके इस सज्जन और आत्मीय व्यवहार ने ग्रामीणों के बीच अपनत्व का भाव पैदा किया। यमपुर के बाद डॉ. भोमा साई जी महाराज ग्राम नेलाकांकर पहुंचे। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया और बड़ी संख्या में लोगों ने उनसे आशीर्वाद लिया। यहां उन्होंने नक्सल हिंसा में वर्ष 2026 में मारे गए 40 वर्षीय तिरुपति सोब्रू के परिवार से मुलाकात की। पत्नी शान्ति और पांच संतानों वाले परिवार की परिस्थितियों को जानने के बाद महाराज जी ने परिवार को 31 हजार और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

घर में हनुमान जी की कौन-सी तस्वीर लगाना माना जाता है शुभ

श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी को शक्ति, साहस और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। मंगलवार, शनिवार समेत रामनवमी, हनुमान जन्मोत्सव जैसे खास मौकों पर मंदिर में उनके श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है। वहीं, बात करें घर के देवस्थान की तो वास्तु में भी घर में हनुमान जी की तस्वीर रखना शुभ बताया है। घर में हनुमान जी की 5 तस्वीरें लगाना बहुत लाभदायी माना जाता है। चलिए जानते हैं कौन सी फोटो घर में रखना चाहिए और इसके क्या लाभ हैं।



इस दिशा में लगाएं तस्वीर

सबसे पहले जान लेते हैं कि हनुमान जी की फोटो किस दिशा में रखना फायदेमंद होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार हनुमान जी की तस्वीर दक्षिण दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। खासतौर पर लाल रंग में बैठे हुए हनुमान जी का चित्र इस दिशा के लिए उपयुक्त माना जाता है। इससे दक्षिण दिशा से आने वाली नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव कम होने की मान्यता है।

राम भक्ति करते हनुमान

भगवान राम की पूजा या भजन-कीर्तन करते हुए हनुमान जी की तस्वीर घर में लगाना पुरे परिवार के लिए शुभ होता है। मान्यता है कि इससे घर के सदस्यों के बीच प्रेम, आपसी समझ और अपनापन बढ़ता है और वातावरण में सुख-शांति बनी रहती है।

पर्वत उठाए वज्ररंगवली



हाथ में पर्वत उठाए हुए हनुमान जी का चित्र साहस और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। वास्तु अनुसार ऐसी तस्वीर घर में रखने से व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास और नई ऊर्जा का संचार होता है। इसे मुश्किल परिस्थितियों का सामना करने की प्रेरणा से भी जोड़ा जाता है।

उड़ते हुए हनुमान

आकाश में उड़ते हुए हनुमान जी की



इसे घर की परेशानियों और नकारात्मक प्रभावों को दूर करने वाला माना जाता है। साथ ही, ऐसी तस्वीर घर में सुरक्षा और सकारात्मक माहौल बनाए रखने से जोड़ी जाती है।

सितंबर महीना धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण

सितंबर 2026 का पंचांग धार्मिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से लेकर पितृपक्ष तक के प्रमुख व्रत-त्योहारों का समावेश है। यह लेख भाद्रपद मास की तिथियों का विश्लेषण करते हुए गणेश चतुर्थी और हरतालिका तीज जैसे पर्वों की सही तिथि और आध्यात्मिक महत्व की विस्तृत जानकारी प्रदान करता है। प्रमुख तिथियों का यह संकलन श्रद्धालुओं को अपने धार्मिक अनुष्ठानों की पूर्व योजना बनाने में सहायक सिद्ध होगा।



सितंबर का महीना व्रत-त्योहारों से भरा हुआ है। इस महीने में कई खास और मुख्य त्योहार आने वाले हैं। असल में इस माह की शुरुआत श्री कृष्ण जन्माष्टमी से होने वाली है। सितंबर में हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी और पद्मा एकादशी का व्रत भी रखा जाएगा। महीने के आखिरी में पितृपक्ष की शुरुआत होगी। हिंदू धर्म में व्रत-त्योहारों का विशेष महत्व माना जाता है। इसलिए इन व्रत-त्योहारों की तिथि को आप जल्दी से नोट कर लें। आइए आपको बताते हैं सितंबर महीने में पड़ने वाले व्रत और त्योहार की लिस्ट।

सितंबर 2026 के प्रमुख व्रत-त्योहारों की सूची		
4 सितंबर (शुक्रवार)	कृष्ण जन्माष्टमी	
5 सितंबर (शनिवार)	दही हांडी, शिशक दिवस	
7 सितंबर (सोमवार)	अजा एकादशी	
8 सितंबर (मंगलवार)	भीम प्रदोष व्रत, पर्यूषण पर्व आरंभ	
9 सितंबर (बुधवार)	मासिक शिवरात्रि	
10 सितंबर (गुरुवार)	पिठोरी अमावस्या	
11 सितंबर (शुक्रवार)	पोला, भाद्रपद अमावस्या	
13 सितंबर (रविवार)	वराह जयंती	
14 सितंबर (सोमवार)	हरतालिका तीज, गणेश चतुर्थी (गणेश उत्सव आरंभ), हिंदी दिवस	
15 सितंबर (मंगलवार)	ऋषि पंचमी	
16 सितंबर (बुधवार)	बलराम जयंती	
17 सितंबर (गुरुवार)	विश्वकर्मा पूजा, कन्या संक्रांति	
19 सितंबर (शनिवार)	राधा आष्टमी, महालक्ष्मी व्रत आरंभ	
22 सितंबर (मंगलवार)	परिवर्तनी एकादशी	
23 सितंबर (बुधवार)	वामन जयंती	
24 सितंबर (गुरुवार)	गुरु प्रदोष व्रत	
25 सितंबर (शुक्रवार)	अनंत चतुर्दशी, गणेश विसर्जन	
26 सितंबर (शनिवार)	भाद्रपद पूर्णिमा व्रत, पूर्णिमा श्राद्ध	
27 सितंबर (रविवार)	पितृपक्ष आरंभ (प्रतिपदा श्राद्ध)	

चेहरे में दाग-धब्बे हैं तो रात में लगाएं ये घरेलू नुस्खा



हरे पर दाग-धब्बे या मुंहासों के पुराने निशान हों तो कई बार चेहरा थोड़ा बेजान नजर आने लगता है। इन्हें कम करने के लिए लोग तरह-तरह के नुस्खे आजमाते हैं। अगर आप भी रात में चेहरे पर लगाने के लिए कोई आसान घरेलू उपाय ढूँढ रही हैं, तो एलोवेरा जेल और गुलाब जल का मिश्रण इस्तेमाल कर सकती हैं।

एलोवेरा जेल और गुलाब जल का नुस्खा

इसे बनाने के लिए एक चम्मच एलोवेरा जेल लें और इसमें आधा चम्मच गुलाब जल मिलाएं। दोनों चीजों को अच्छी तरह मिस्र कर लें। ध्यान रखें कि मिश्रण बहुत ज्यादा पतला न हो। अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो इसे चेहरे पर लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें। रात में चेहरे पर छेसे लगाएं सबसे पहले चेहरे को हल्के फेसवॉश से साफ कर लें। इसके बाद चेहरा सुखाकर तैयार मिश्रण की पतली परत चेहरे पर लगाएं। इसे डंगलियों से हल्के हाथों से पुरे चेहरे पर फैला दें। इसे

रातभर चेहरे पर लगा रहने दें। सुबह उठकर सामान्य पानी से चेहरा धो लें। पहली बार इस्तेमाल करते समय इसे थोड़ी देर लगाकर भी देख सकती हैं, ताकि पता चल सके कि यह आपकी त्वचा को सूट करता है या नहीं। एलोवेरा जेल से त्वचा को मिलती है नगी एलोवेरा जेल त्वचा को हाइड्रेट रखने और रूखपन को कम करने में मदद कर सकता है। चेहरे पर नमी बनी रहने से त्वचा मुलायम महसूस होती है। एलोवेरा जेल को दाग-धब्बे हटाने का पक्का इलाज नहीं माना जा सकता। इसका असर हर व्यक्ति की त्वचा पर अलग हो सकता है।



आज का राशिफल





मेष राशि - सितंबर का महीना मेष राशि वालों के लिए करियर के लिहाज से मिलाजुला रह सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको मेहनत के अनुसार ही सफलता मिलने के संकेत हैं। महीने के मध्य में आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है और अचानक वन लाभ भी संभव है। हालांकि स्वास्थ्य के मामले में थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। निर्णयित दिनचर्या पर ध्यान दें।



वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए सितंबर में भाग्य का पूरा सहयोग मिलने की संभावना है। लंबे समय से अटके कार्य पूरे हो सकते हैं और पारिवारिक जीवन में फिर से खुशियां लौटेंगी। नौकरीपेशा जातकों में कुछ लोगों को पदेन्नति मिलने के योग हैं। आर्थिक मामलों में भी लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सही समय पर किए गए प्रयास आपके लिए अच्छे परिणाम लेकर आ सकते हैं।



मिथुन राशि - मिथुन राशि वालों को सितंबर में घन से जुड़े फैसेल बेहद सौच-समझकर लेने चाहिए। किसी भी आर्थिक मामले में जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। कार्यक्षेत्र में गुप्त विरोधी सक्रिय रह सकते हैं, इसलिए अपने काम और योजनाओं को लेकर सतर्क रहें। हालांकि विदेश से जुड़े कारोबार करने वालों के लिए यह महीना लाभदायक हो सकता है। व्यापार में सावधानी के साथ आगे बढ़ना आपके लिए बेहतर रहेगा।



कर्क राशि - कर्क राशि वालों के लिए सितंबर का महीना आर्थिक रूप से अच्छा रह सकता है। इस दौरान घन प्राप्ति के नए अवसर मिलने के संकेत हैं। व्यापार करने वाले जातकों को लाभ मिल सकता है। स्वास्थ्य में भी पहले की तुलना में सुधार देखने को मिलेगा। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल रहेगा और रिश्तों में सकारात्मकता बढ़ सकती है। आर्थिक अवसरों का सही तरीके से लाभ उठाने पर महीना आपके पक्ष में रह सकता है।



सिंह राशि - सिंह राशि वालों को सितंबर में करियर से जुड़ी परेशानियों का समाधान मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में चल रही अड़चनें दूर हो सकती हैं और आगे बढ़ने का रास्ता साफ होगा। हालांकि इस महीने खर्चों में बढ़ोतरी संभव है, इसलिए आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। वैवाहिक जीवन में पार्टनर का पूरा सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के साथ आपसी समझ और तालमेल अच्छा बना रहेगा।



कन्या राशि - कन्या राशि वालों के लिए सितंबर का महीना मेहनत का सुखद परिणाम देने वाला रह सकता है। आपने पहले जो प्रयास किए हैं, उनका लाभ इस दौरान मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। लंबे समय से अटके पड़े कार्यों को पूरा करने में सफलता मिलेगी। योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर आपको बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। घन और कामकाज से जुड़े मामलों में सकारात्मक प्रगति देखने को मिलेगी।



तुला राशि - तुला राशि वालों के लिए सितंबर में पारिवारिक और आर्थिक स्थिति अच्छी रहने के संकेत हैं। माता-पिता का सहयोग महत्वपूर्ण कार्यों में मिलेगा। आर्थिक रूप से मजबूती आने की संभावना है। नौकरी करने वाले कुछ जातकों को पदेन्नति मिल सकती है। परिवार में सकारात्मक माहौल बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल अच्छा रहेगा और आपसी समझ मजबूत होगी। रिश्तों में सहयोग और सामंजस्य के कारण महीने का अनुभव सुखद रह सकता है।



वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि वालों के लिए सितंबर की शुरुआत थोड़ी चुनौतीपूर्ण रह सकती है, लेकिन महीने के मध्य के बाद परिस्थितियों में सुधार आने के संकेत हैं। पैसों के लेन-देन में विशेष सावधानी बर्तें और आर्थिक मामलों में जल्दबाजी न करें। विचारधाराओं के लिए यह महीना अच्छा रह सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को सफलता मिलने के योग हैं। धैर्य और समझदारी से परिस्थितियों को अपने पक्ष में किया जा सकता है।



धनु राशि - धनु राशि के कारोबारियों के लिए सितंबर का महीना यादगार साबित हो सकता है। व्यापार में बड़ी डील मिलने के योग हैं, जिससे लाभ के नए अवसर बन सकते हैं। पारिवारिक जीवन में चल रही परेशानियों धीरे-धीरे दूर होंगी और घर का माहौल बेहतर होगा। लव लाइफ में भी सकारात्मक बदलाव आएंगे। रिश्तों में बनी गलतफहमियां दूर हो सकती हैं और साथी के साथ आपसी समझ व विश्वास मजबूत होंगे।



मकर राशि - मकर राशि वालों के लिए सितंबर में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयास सफल हो सकते हैं। यदि आपने पहले किसी जगह निवेश किया है तो उससे अच्छा रिटर्न मिलने के योग हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। हालांकि स्वास्थ्य के मामले में लापरवाही से बचना जरूरी होगा। अपनी सेहत और दिनचर्या पर ध्यान देकर आप महीने को बेहतर तरीके से गुजार सकते हैं।



कुंभ राशि - कुंभ राशि वालों के लिए सितंबर का महीना आर्थिक दृष्टि से काफी अच्छा रह सकता है। निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं। यदि आप शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं तो अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना बन सकती है, हालांकि निवेश संबंधी निर्णय सोच-समझकर लेना उचित रहेगा। परिवार के लोगों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। घन से सुखद माहौल बना रहेगा और पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे।



मीन राशि - मीन राशि वालों के लिए सितंबर का महीना अच्छा साबित हो सकता है। नौकरी की जगह कर रहे कुछ बेरोजगार जातकों को रोजगार मिलने के योग हैं, जिससे आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है। काम के सिलसिले में की गई यात्राएं सफल रहने की संभावना हैं। इन यात्राओं से आपको लाभ या नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। करियर में आगे बढ़ने के लिए किए गए प्रयास सकारात्मक परिणाम दे सकते हैं।

रोजाना कितने अखरोट खाने चाहिए ?

अखरोट को ड्राई फ्रूट्स का 'किंग' माना जाता है। दिमाग की तरह दिखने वाला यह नट सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड, एंटीऑक्सीडेंट्स, प्रोटीन, फाइबर, विटामिनई और मिनरल्स शरीर को कई गंभीर बीमारियों से बचाते हैं। लेकिन किसी भी चीज का फायदा तो तब मिलता है जब उसका सही तरीके और सही मात्रा में सेवन किया जाए। अगर आप अखरोट को अपनी दिनचर्या में सही तरीके से शामिल करते हैं, तो यह आपकी ओवरऑल हेल्थ को सुधार सकता है। यहां हम जानेंगे कि रोजाना कितने अखरोट खाना चाहिए और इसके सेवन से क्या क्या फायदे मिलते हैं और सेवन का सही तरीका क्या है।

रोजाना कितने अखरोट खाने चाहिए ?

किसी भी चीज की अति नुकसानदायक हो सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स रोजाना 1 से 2 अखरोट (लगभग 28-30 ग्राम) खाने की सलाह देते हैं। बच्चे रोजाना 1 साबुत अखरोट खा सकते हैं।

अखरोट खाने का सही तरीका

अखरोट को हमेशा भिंगोकर खाना सबसे ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। रात को 2 अखरोट को पानी में भिंगोकर रख दें और सुबह खाली पेट खाएं। भिंगोने से इसके फिजिकल एसिड का लेवल कम होता है, जिससे शरीर इसके पोषक तत्वों को आसानी से पचा और सोख पाता है। आप इसे सुबह के नाश्ते, ओट्स, फ्रूट सलाद या स्मूदी में क्राश करके भी मिला सकते हैं। अगर आपको पानच से जुड़ी समस्या है या शरीर में गर्मी ज्यादा रहती है, तो बिना भिंगोए सूखा अखरोट ज्यादा मात्रा में न खाएं।

आजकल हर किसी की सुबह मोबाइल फोन को देखने से होती है और रात भी मोबाइल में रील स्कॉल करके होती है। फोन अगर एक मिनट के लिए भी आंखों से दूर हो जाए तो दैशन होने लगती है और लोग बेसब्र होकर फोन खोजने लगते हैं। मोबाइल देखने का घसका बड़ों के साथ बच्चों में भी बढ़ता जा रहा है। कम उम्र में ही बच्चे फोन में वीडियो देखना और किड्स रील को स्कॉल करना पसंद करते हैं। बच्चों में फोन देखने की ये एक ऐसी लत बन गई है कि वह इसे बिना देखे खाना तक नहीं खाते हैं। बच्चों में हो रहे इस डिजिटल एडिक्शन को कम करने के लिए एक महिला ने अपने 9 साल के बच्चे के लिए कुछ रूल्स सेट किए। इन रूल्स की मदद से उन्होंने बच्चे की फोन देखने की आदत को पूरी तरह से छुड़वा दिया।

1) सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक नो स्क्रीन टाइम

बहुत से बच्चे स्कूल जाने से पहले भी मोबाइल फोन देखकर जाना और वापिस आते ही फिर से फोन चलाना पसंद करते हैं। ऐसे में इस रूल को सेट करें आप टाइमिंग बच्चे के रूटीन के मुताबिक आगे पीछे कर सकते हैं। शाम के समय जब बच्चा फोन नहीं चलाएगा तो वह अपना समय बाहरी गेम खेलने, होमवर्क पूरा करने या फिर अपनी पसंग की एक्टिविटी को पूरा करने में बिताएगा।

2) खाने के समय कोई टीवी नहीं देखेगा

आप एक रूल सेट करें कि खाने के समय ना बच्चे फोन देखेंगे और ना ही

अखरोट खाने के फायदे

दिमाग को रखे तेज : अखरोट में भरपूर मात्रा में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो ब्रेन फंक्शन को बूस्ट करता है। यह याददाश्त बढ़ाने और न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर से बचाने में मदद करता है।

दिल की सेहत में सुधार : इसमें मौजूद अल्फा-लिनोलेनिक एसिड खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखता है, जिससे दिल के दौरा का खतरा घटता है।

वजन नियंत्रित करे : फाइबर और प्रोटीन से भरपूर होने के कारण इसे खाने के बाद लंबे समय तक भूख नहीं लगती, जो ओवरईटिंग से बचाकर वजन घटाने में मदद करता है।

हड्डियों को बनाए मजबूत : इसमें कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे तत्व होते हैं, जो हड्डियों की डेंसिटी को बढ़ाते हैं।

बेहतर नींद : अखरोट में मेलैटोनिन नामक हार्मोन पाया जाता है, जो तनाव को दूर कर अच्छी नींद लाने में मदद करता है।

1. किसी छत वाली जगह पर रुक जाएं

अगर बारिश अचानक तेज हो जाए और आपके पास छता न हो, तो सबसे पहले किसी सुरक्षित और छत वाली जगह पर रुकें। दुकान का शेड, बस स्टॉप, मेट्रो स्टेशन या पेट्रोल पंप जैसी जगह काम आ सकती है। अगर आपको आगे जाना जरूरी है, तो बारिश थोड़ी कम होने का इंतजार करें। इसके बाद एक ढकी हुई जगह से दूसरी जगह तक आगे बढ़ सकती हैं।

2. बैग में रखें जरूरी सामान सुरक्षित

बारिश में सिर्फ कपड़े ही नहीं, बैग के अंदर रखा सामान भी गीला हो सकता है। इसलिए मोबाइल, वॉलेट, जरूरी कागज और इलेक्ट्रॉनिक सामान को प्लास्टिक कवर या वाटरप्रूफ पाउच में रखना अच्छा रहता है। अगर अचानक बारिश शुरू हो जाए, तो बैग को शरीर के आगे की तरफ पकड़ सकती हैं। इससे सामने का हिस्सा कुछ हद तक बारिश से बच सकता है।

3. पानी भरी सड़क पर तेज न चलें

बारिश शुरू होते ही जल्दी पहुंचने के चक्कर में तेज चलना या भागना सही नहीं है। सड़क पर पानी जमा होने से रास्ता ठीक से दिखाई नहीं दे सकता है। इसलिए धीरे चलें और पानी वाली जगह से बचकर निकलें। साथ ही सड़क पर चल रहे वाहनों से थोड़ी दूरी बनाकर रखें, ताकि उनके गुजरने से पानी के छीटे न आए।

बारिश में छतान न हो तो इन बातों का रखें ध्यान

मोबाइल और जरूरी कागजों को वाटरप्रूफ पाउच में रखें। बैग को बारिश से बचाने की कोशिश करें। तेज बारिश में किसी सुरक्षित छत वाली जगह पर रुकें। पानी जमा सड़क पर सावधानी से चलें। वाहनों के बहुत पास से निकलने से बचें। बारिश कम होने के बाद ही आगे बढ़ना बेहतर है।

हमेशा दूसरे रूम में रखती थीं।

6) पहले खुद छोड़े स्कॉलिंग

अगर आप चाहती हैं कि आपको बच्चा फोन ना चलाए या फोन देखना बंद कर दें तो पहले खुद स्कॉलिंग करना बंद करें। बच्चे आपको सुनने से ज्यादा देखकर सीखते हैं।

7) शिकायतों पर नियम का बचाव ना करना

हो सकता है कि बच्चों को ये नियम पसंद ना आए और वह इनकी शिकायत भी करें। लेकिन आपको उन्हें रूल समझाने या आप ऐसा क्यों कर रहे हैं की जरूरत नहीं है।

5) फोन दूसरे रूम में रखें

फोन को बच्चे के कमरे में ना रखकर महिला उसे ऐसी जगह पर रखती थीं

जो उनकी निगरानी में हो। उनका मानना है कि 9 साल की उम्र में बच्चों का दिमाग इस चीज के साथ मोल भाव नहीं कर सकता है

जो उन्हें किस समय पर फोन नहीं चलाना। इसलिए वह फोन को



बच्चे को लगी फोन की आदत छुड़वाने के उपाय

घर को कोई भी बड़ा फोन देखेगा। महिला ने बताया कि जैसे ही उन्होंने ये रूल सेट किया वैसे ही एक हफ्ते बाद डिनर के समय पर सभी ने बातचीत करना शुरू कर दिया।

3) रिचॉर्ड की तरह स्क्रीन टाइम

महिला ने बच्चे को चैलेंज दिए और उसे पूरा करने पर रिचॉर्ड की तरह स्क्रीन टाइम मिला। जैसे 30 मिनट रीडिंग करने पर 30 मिनट का स्क्रीन टाइम मिला, एक घंटा बाहर खेलने पर एक घंटे के लिए स्क्रीन टाइम मिला।

4) सुबह उठने के एक घंटे बाद का समय स्क्रीन फ्री

सुबह उठने के बाद बच्चे को विचारों

6) फोन दूसरे रूम में रखें

फोन को बच्चे के कमरे में ना रखकर महिला उसे ऐसी जगह पर रखती थीं

